जिसके मार्गदर्शन में हम अपने विचारों को क्रमशः तमोगुण से परिष्कृत करते हुये सतोगुणी बना सकते हैं तथा आन्तरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। भगवद्गीता के अनुसार निष्कामता, निर्वैरता व स्थितप्रज्ञता के माध्यम से शांति लाभ ही वास्तविक ज्ञान है तथा यह ज्ञानोपलब्धि ही शिक्षा का उद्देश्य एवं अर्थ है। भगवद्गीता में अशांति व संघर्ष के कारण तथा निवारण दोनों का मनोवैज्ञानिक तथा व्यवहारिक विश्लेषण किया गया है। यह मानवीय दुश्चिंताओं के निवारण का कालजयी ग्रंथ है जिसके आलोक में हम आधुनिक शैक्षिक व मनोवैज्ञानिक समस्याओं का शमन कर सकते हैं। भगवद्गीता में शांति की शिक्षा समाहित है आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी शिक्षा व्यवस्था को इसके उपदेशो अनुरूप ढालकर एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्मित करें जो 'शांति के लिये हो तथा शिक्षाशब्द को सार्थक कर सके।

संदर्भ-सूची

1. अपूर्वानन्द,एस. श्रीमद्भगवद्गीता, नागपुर , राम कृष्ण मठ, घन्तोली (2015) । [Apurvanand, S. SrimadBhagavadgita, Nagpur, Ram Krishna Math, Dhantoli (2015)]

2. अरबिन्दो, एस०, दि डिवाइन टीचर , एससे ऑन गीता , पाण्डिचेरी, श्री अरबिन्दो आश्रम प्रेस (1995) । [Aurobindo, S. , The Divine Teacher, Essay on Gita, Pondicherry, Sri Aurobindo Ashram Press (1995)]

3. चिन्मयानन्द, एस०, मानव निर्माण कला (श्रीमद्भगवद्गीता पर प्रवचन), मुंबई, सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट (2010) । [Chinmayanand, S., Man-making Art (Discourse on Shrimadbhavadgita), Mumbai, Central ChinmayaMission Trust (2010)]

4. पाठक, एन०, भगवद्गीता-आधुनिक दृष्टि, पुणे, अमेय प्रकाशन (2005) । [Pathak, N., Bhagavad Gita - Adhunikdrishti, Pune, AmeyaPrakashan (2005)]

5. राधाकृष्णन, एस०, भगवद्गीता, दिल्ली, हिन्द पॉकेट बुक्स प्रा0लि0 (2001) । [Radhakrishnan, S. ,Bhagwad Gita, Delhi, Hind Pocket Books Pvt. Ltd. (2001)]

6. विवेकानन्द, एस०, भगवान श्री कृष्ण और भगवद्गीता , नागपुर, राम कृष्ण मठ, घन्तोली (2015) । [Vivekananda, S., BhagwanShri Krishna and Bhagavad Gita, Nagpur, Ram Krishna Math, Dhantoli (2015)]

7. विनोबा, स्थितप्रज्ञ-दर्शन, वाराणसी, सर्व सेवा संघ-प्रकाशन (2014) । [Vinoba, Sthitpragya-Darshan, Varanasi, SarvaSevaSangh-Prakashan (2014)]

8. शांति के लिये शिक्षा , राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र ,नई दिल्ली, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद , (2010) । [Shanti keliyeshiksha, Rastriya Focus samuhkaAdharPatra, New Delhi, N.C.E.R.T.,(2010)]